NSE IPFT

|| परिचय ||

Soch kar
Samajh kar
Invest kar

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का परिचय

अपने जीवन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक मजबूत बुनियाद तैयार करें

Non-Confidential
IPFT

अस्वीकरण

- यह प्रेजेंटेशन केवल शिक्षा और जागरूकता के उद्देश्य से लोगों को प्रतिभूति बाजार से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें प्रदान की गई जानकारियां सामान्य किस्म की हैं और इसमें किसी भी उपयोगकर्ता को पेशेवर सलाह देने का इरादा नहीं है। आप अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुसार किसी योग्य व्यक्ति से उचित पेशेवर सलाह ले सकते हैं।
- इसका उद्देश्य किसी उत्पाद/सेवा को बढ़ावा देना अथवा किसी स्टॉक विशेष या ट्रेडिंग रणनीतियों आदि पर कोई सलाह देना नहीं है।
- इस प्रेजेंटेशन का कॉपीराइट NSE के पास है। इस प्रेजेंटेशन का किसी भी तरीके से अनधिकृत इस्तेमाल या इसको किसी भी रूप में रिकॉर्ड करना या किसी के साथ साझा करना सख्त मना है। जब तक अधिकृत न किया जाए या NSE से पूर्व लिखित अनुमति लिए बिना इस प्रेजेंटेशन का किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से कॉपी, प्रसारण, पुनरुत्पादन, वितरण, डाउनलोड, प्रदर्शन या प्रेषिण नहीं किया जाएगा।
- हम प्रदान की गई जानकारी के संबंध में पूर्णता, सटीकता, विश्वसनीयता, उपयुक्तता या उपलब्धता के बारे में किसी भी तरह का दावा या वारंटी नहीं देते हैं। किसी भी स्थिति में एनएसई, उसके अधिकारी या कर्मचारी प्रेजेंटेशन में दी गई जानकारी के आधार पर किसी अनधिकृत उपयोग, लिए गए फैसलों या की गई कार्रवाई या किसी परिणामी, विशेष या समान क्षति के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे, भले ही ऐसी क्षति की आशंका के बारे में सूचित किया गया हो।

कार्यसूची

1. वित्तीय साक्षरता के 6 स्तंभ
2. जरूरतें बनाम इच्छाएं बनाम लालसा
3. 50-30-20 का नियम
4. निवेश के सूत्र
5. म्यूचुअल फंड
6. वित्तीय धोखाधड़ी के प्रकार और उनसे कैसे बचें

Non-Confidential

पैसा

"पैसे से खुशी नहीं खरीदी जा सकती; लेकिन पैसा आपको विकल्प चुनने की आजादी देता है। आप उन विकल्पों के साथ क्या करते हैं, इससे आपको खुशी मिलती है।"

अगर आप ऐसी चीज़े खरीद रहे हैं, जिनकी आपको जरूरत नहीं है, तो जल्द ही आपको वह चीजें बेचनी पड़ जाएंगी, जिनकी आपको जरूरत है।

पैसा लेन-देन का माध्यम है। इसके जरिए ही हम व्यापार करते हैं। हमारी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और हमारी आकांक्षाओं को हासिल करने के लिए यह बेहद जरूरी है।

इसलिए, पैसे का सही प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है।

nfidential

वित्तीय साक्षरता के 6 स्तम्भ

स्तम्भ 1
आय

पैसा विभिन्न स्रोतों से कमाया जाता है.

आय के दो प्रकार होते हैं:

सक्रिय आय

जब आप अपने समय और हुनर का इस्तेमाल करके पैसे कमाते हैं।

- वेतन
- प्रोफेशनल फीस
- बिजनेस से आय

निष्क्रिय आय

1. निवेश से होने वाली कमाई। इससे पैसा आता ही रहता है, भले ही आप छुट्टी पर हों या रिटायर ही क्यों न हो गए हों।

- लाभांश
- ब्याज
- RENT किराया

Non-Confidential

स्तम्भ 2
व्यय

पैसा कई मदों पर खर्च होता है

व्यय भी दो प्रकार के होते हैं

अनिवार्य या गैर-विवेकाधीन व्यय

ऐसे खर्च जो हर परिवार के लिए जरूरी हैं, यह मुख्य रूप से बुनियादी जरूरतों से जुड़े होते हैं।

जरूरतों और जिम्मेदारियों पर खर्च होने वाला पैसा

विवेकाधीन व्यय

ऐसे खर्च जो हमारी इच्छाओं और लालसा से संबंधित होते हैं।

लालसा और इच्छाओं पर खर्च होने वाला पैसा

जरूरतें बनाम इच्छाएं बनाम लालसा

जरूरतें:
हमारे जीवनयापन और कल्याण के लिए ज़रूरी होते हैं। भोजन, सिर पर छत, पानी, कपड़े और स्वास्थ्य सेवा आदि। इनके बिना जीवित रहना संभव नहीं है।

Functional Need — **जरूरतें**

इच्छाएं:

एक बार ज़रूरतें पूरी हो जाने के बाद हम उनसे आगे की चीज़ों को हासिल करने के लिए प्रयास करते हैं, ऐसी चीजें जो हमारे जीवन के लिए ज़रूरी तो नहीं हैं, लेकिन जीवनयापन की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं। एंटरटेनमेंट, पर्यटन और विलासिता की वस्तुएं आदि।

इच्छाएं — **Physical Benefit**

Emotional Satisfaction — **लालसा**

लालसा:
ऐसी इच्छाएं जिन्हें पूरा करने के लिए आपकी क्षमता से बहुत ज्यादा पैसों की जरूरत हो।

इस अंतर को समझने से हमें पहले ज़रूरतों के लिए, फिर इच्छाओं के लिए और अंत में लालसा के लिए पैसे के आवंटन को प्राथमिकता देने में मदद मिलती है।

जरूरतें बनाम इच्छाएं

अपनी प्राथमिकताएं तय कर विजयी बनें	तुरंत जरूरी	तुरंत जरूरी नहीं
महत्वपूर्ण	I. तुरंत जरूरी और महत्वपूर्ण भी क्याकरें: अभी करें	II. महत्वपूर्ण लेकिन तुरंत जरूरी नहीं क्या करें: भविष्य में करने की योजना बनाएं
महत्वपूर्ण नहीं	III. तुरंत जरूरी लेकिन महत्वपूर्ण नहीं क्या करें: यदि पैसा हो तो हीं करें	IV. ना ही महत्वपूर्ण और ना ही तुरंत जरूरी क्या करें: इग्नोर करें

मांग	तुरंत जरूरी	महत्वपूर्ण	क्या करें
श्री सिंह की मां के लिए शॉल	हां	हां	खरीदें
साहिल की साइकिल	नहीं	हां	खरीदने की योजना बनाएं
रोहन के लिए नया वीडियोगेम	नहीं	नहीं	नहीं खरीदें
दोस्त के लिए शादी का तोहफा	हां	नहीं	किफायती तोहफा लें, जितना आपकी जेब इजाजत दे
घर की सजावट	नहीं	नहीं	इग्नोर करें

NSE IPFT

Non-Confidential

स्तम्भ 3
बजट बनाना

अपनी आय और व्यय को सही तरीके से मैनेज करने की दिशा में पहला कदम बजट बनाना है।

बजट एक प्रोएक्टिव और यथार्थवादी वित्तीय योजना है जो आपके हर महीने के सभी खर्चों का ब्योरा होता है।

अपनी सभी स्रोतों से आय और सभी खर्चों की सूची बनाएं।

फिर, अपनी आय में से अपने खर्चों को घटाकर देखें कि आपके पास कितना पैसा बच रहा है।

ध्यान रखें, अगर आपको पैसे को सही से मैनेज करने नहीं आता तो आप अच्छा पैसा कमाने के बाद भी दिवालिया हो सकते हैं।

NSE IPFT

Non-Confidential

50-30-20 का नियम

The 50/30/20 Budgeting Rule

50% **Needs**

Groceries | Utilities | Housing | Health insurance

30% **Wants**

Shopping | Dining Out | Hobbies

20% **Savings**

आपको मिलने वाली पॉकेट मनी को जरूरतों, इच्छाओं और बचत में बांटे। जरूरतों के लिए खर्च की सीमा **50%**, इच्छाओं के लिए **30%** और बचत के लिए **20%** रकम आवंटित करें।

उदाहरण के लिए, अगर आपको हर महीने **1000 रुपये** की पॉकेट मनी मिलती है, तो आप **500 रुपये** अपनी ज़रूरतों के लिए, **300 रुपये** अपनी इच्छाओं के लिए और **200 रुपये** बचत और निवेश के लिए आवंटित करेंगे।

अपनी समझ को परखें

वेतन सक्रिय आय है निष्क्रिय आय?

निष्क्रिय आय का एक उदाहरण दें।

मकान किराया विवेकाधीन खर्च है या गैर-विवेकाधीन खर्च?

अपनी आय और व्यय को मैनेज करने की दिशा में पहला कदम है...

इच्छाओं और लालसा में क्या फर्क है?

50-30-20 का नियम क्या है?

Non-Confidential

स्तम्भ 4
बचत

आय:
काम या निवेश से प्राप्त आमदनी।

बचत:
भविष्य के खर्चों को पूरा करने के लिए अलग रखा गया आय का एक हिस्सा।

लेकिन, यदि बचत और निवेश दोनों का मतलब भविष्य के खर्चों के लिए अलग रखा पैसा है, तो दोनों में अंतर क्या है?

	बचत	निवेश
Pros	▪ यह किराने का सामान खरीदने या नया फोन खरीदने या घूमने जाने जैसे अल्पकालिक खर्चों को पूरा करने में मदद करता है।	▪ बचत की तुलना में अधिक रिटर्न मिल सकता है। ▪ लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करता है। ▪ विविध प्रकार के निवेश विकल्प होने से नुकसान का जोखिम कम हो जाता है।
cons	▪ अन्य विकल्पों की तुलना में बहुत कम रिटर्न। ▪ महंगाई को मात देने में मदद नहीं करता।	▪ वित्तीय नुकसान का जोखिम रहता है, खासकर शॉर्ट टर्म में।

NSE IPFT

Non-Confidential

स्तम्भ 5
निवेश

- बजट तैयार करें
- अपने खर्चों की प्राथमिकताएं तय करें
- गैर-जरूरी खर्चों में कमी करें
- आपात स्थिति के लिए पैसे बचाएं
- भविष्य के लिए निवेश करें (6 सूत्र)

ज्यादा जरूरी क्या है? (बचत या निवेश)

निवेश एक तरीका है जिसमें आप अपने पैसे को शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय साधनों में लगाकर समय के साथ उसे बढ़ा सकते हैं। निवेश में कुछ जोखिम शामिल होते हैं, लेकिन इसमें लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता भी होती है।

उदाहरण: बचत बनाम निवेश

आप हर माह 500 रुपये बचाकर निवेश करें, तो 5, 10 और 20 साल बाद यह रकम कितनी हो सकती है?

बचत बनाम निवेश

	4% सालाना दर पर बचत
5 वर्ष	₹ 33,259.99
10 वर्ष	₹ 73,870.32
15 वर्ष	₹ 1,83,998.60

	Investments at 12% p.a.
5 Years	**₹ 41,243.18**
10 Years	**₹ 1,16,169.54**
15 Years	**₹ 4,99,573.96**

क्या आप जानते हैं?

समय के साथ पैसे का मूल्य कम हो जाता है

- राज के दादा-दादी ने 1970 के दशक में 50,000 रुपये में एक घर खरीदा था। आज उसी घर को खरीदने के लिए 9.5 करोड़ रुपये लगेंगे!
- क्या आपको याद है कि 10 साल पहले इन चीजों की कीमत कितनी थी? ब्रेड | दूध | अंडे | चाय
- अब इन चीज़ों की कीमत क्या है? पिछले कुछ वर्षों में आपके लिए रोजमर्रा के खर्चों की लागत में कितना बदलाव आया है?

महंगाई समय के साथ कीमतों में होने वाली सामान्य बढ़ोतरी है, जो पैसे की क्रय शक्ति को कम करती है।

यह हमारी बचत को भी प्रभावित कर सकती है। यदि **महंगाई की दर 7%** है, लेकिन आपका बचत खाता आपको केवल **3% ब्याज** देता है, तो क्या आपका पैसा इतना बढ़ रहा है कि आप आने वाले समय में इस पैसे से जरूरत की उतनी चीज खरीद सकें, जितनी आज खरीद सकते हैं?

NSE IPFT

Non-Confidential

पैसे के मूल्य पर महंगाई का असर

महंगाई पैसे के मूल्य को कम कर देती है!!

महंगाई और इसका बचत पर असर

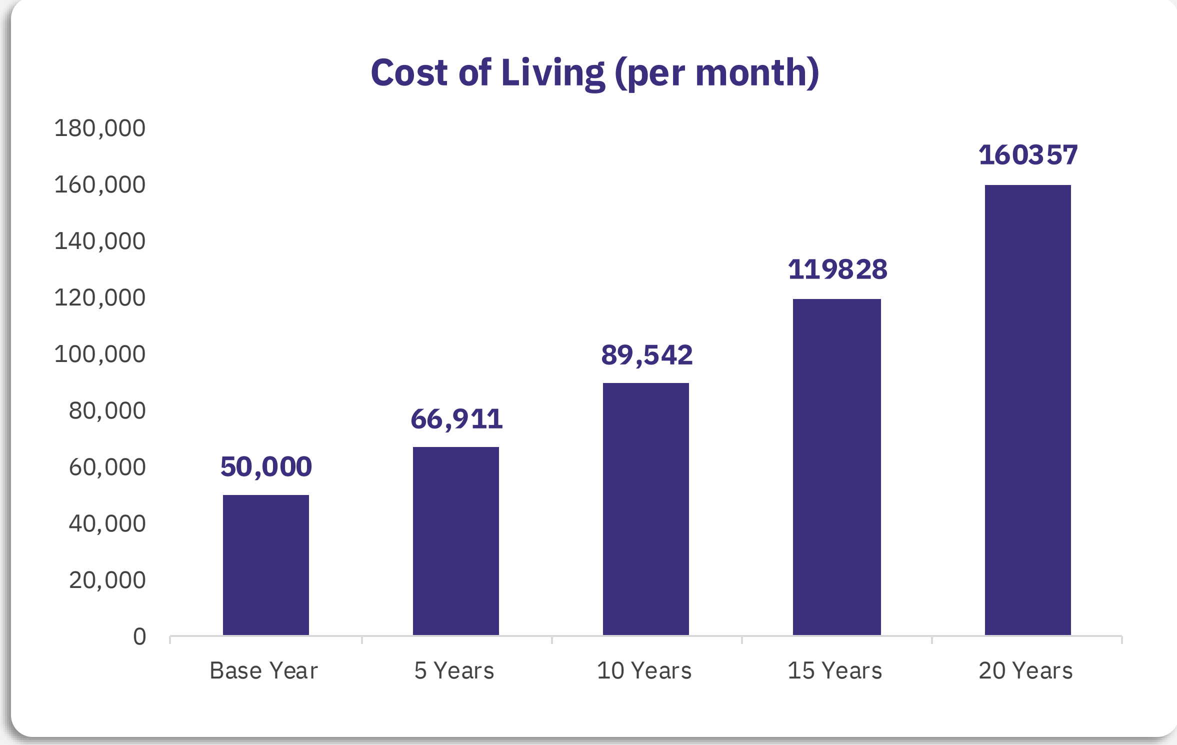

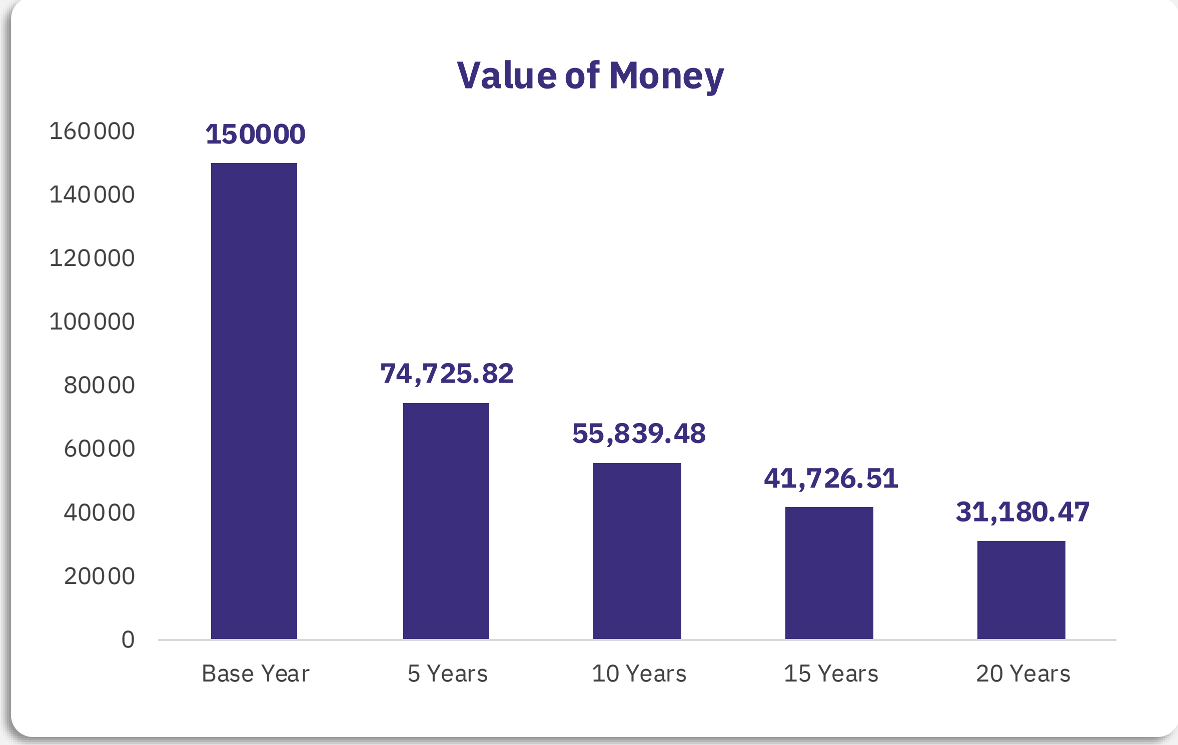

महंगाई अनुमान @ 6% प्रति वर्ष.

महंगाई के कारण जीवनयापन की लागत साल दर साल बढ़ती जाती है। इसी के कारण पैसे का मूल्य घटता जाता है।

NSE IPFT

कंपाउंडिंग की ताकत

“चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां आश्चर्य है"

– अल्बर्ट आइंस्टीन

वर्ष	मूल्य
1	₹ 1,12,682.50
3	₹ 1,43,076.88
5	₹ 1,81,669.67
7	₹ 2,30,672.27
10	₹ 3,30,038.69
15	₹ 5,99,580.20
20	₹ 10,89,255.37

क्या है कंपाउंडिंग?

जमा पर मिले ब्याज को फिर से निवेश कर उस पर भी रिटर्न अर्जित करना यानी आप मूलधन पर ब्याज पाते ही हैं, साथ ही जमा हो रहे ब्याज पर भी ब्याज कमाते हैं।

आप जितने लंबे समय तक निवेशित रहते हैं आपका पैसा उतना ही अधिक बढ़ता है।

Non-Confidential

कंपाउंडिंग का जादू – पहले धीमा, फिर एकदम फर्राटा!

12% सालाना रिटर्न पर हर महीने 30,000 रुपये निवेश करने पर पोर्टफोलियो मूल्य

कंपाउंडिंग की ताकत - 8-4-3 का नियम याद रखें!

पहली बार 50 लाख रुपये तक पहुंचने में 8 साल का लंबा समय लगता है...

लेकिन दूसरी बार 50 लाख रुपये तक पहुंचने में महज 4 साल लगते हैं!

तीसरी बार 50 लाख रुपये तक पहुंचने में सिर्फ 3 साल का समय लगता है!

जब 20वें साल तक पहुंचते हैं, तो आप हर साल 50 लाख रुपये जोड़ लेते हैं!

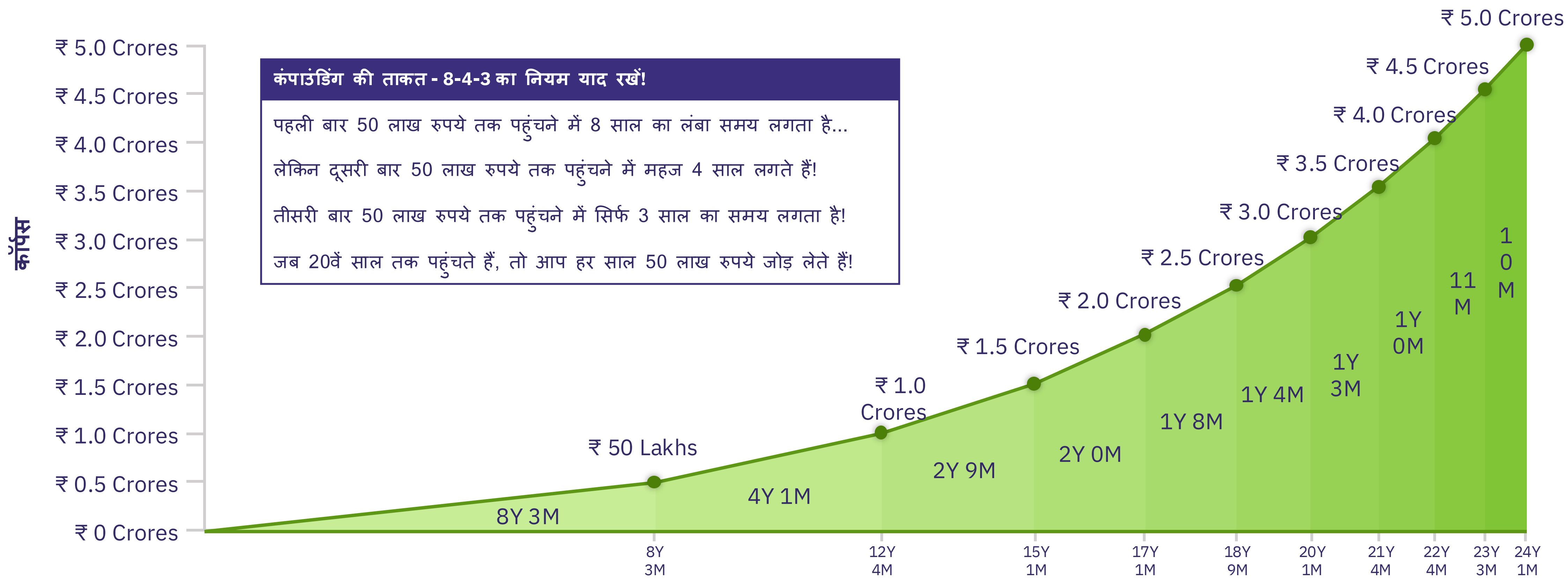

50 लाख की वृद्धि पर योगदान	8Y 3M	12Y 4M	15Y 1M	17Y 1M	18Y 9M	20Y 1M	21Y 4M	22Y 4M	23Y 3M	24Y 1M
निवेश	59%	29%	20%	14%	12%	10%	9%	7%	7%	6%
रिटर्न	41%	71%	80%	86%	88%	90%	91%	93%	93%	94%

NSE IPFT

स्रोत: फंड्स इंडिया रिसर्च. 12% CAGR के अनुमान पर

Non-Confidential

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट की ताकत

अनुशासित निवेश को बढ़ावा - एक निश्चित धनराशि को लगातार और निरंतर निवेश करें।

बाजार गिरने पर अधिक यूनिट और बाजार बढ़ने पर कम यूनिट खरीदने में मदद करता है।

लंबी अवधि और बाजार के विभिन्न स्तरों पर निवेश को फैलाकर नुकसान का जोखिम कम करता है।

निवेश की औसत लागत कम कर देता है।

12% सालाना रिटर्न के अनुमान से **5000 रुपये** प्रति माह की एसआईपी समय के साथ कैसे बढ़ती है, यहां देखें...

वर्ष	निवेशित राशि	मूल्य	अंतर
1	₹ 60,000.00	₹ 64,046.64	₹ 4,046.64
3	₹ 1,80,000.00	₹ 2,17,538.24	₹ 37,538.24
5	₹ 3,00,000.00	₹ 4,12,431.83	₹ 1,12,431.83
7	₹ 4,20,000.00	₹ 6,59,894.99	₹ 2,39,894.99
10	₹ 6,00,000.00	₹ 11,61,695.38	₹ 5,61,695.38
15	₹ 9,00,000.00	₹ 25,22,880.00	₹ 16,22,880.00
20	₹ 12,00,000.00	₹ 49,95,739.60	₹ 37,95,739.60

निवेश जल्दी शुरू करें

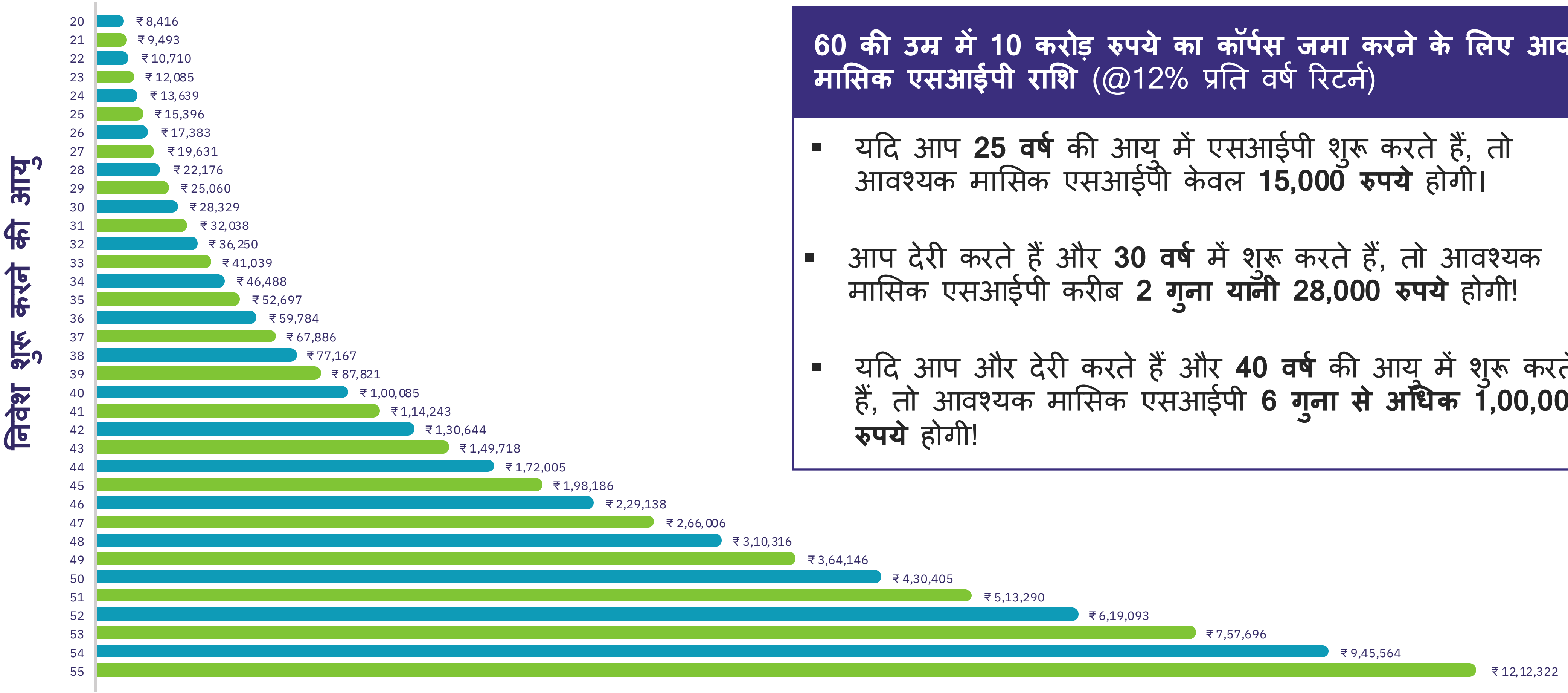

60 की उम्र में 10 करोड़ रुपये का कॉर्पस जमा करने के लिए आवश्यक मासिक एसआईपी राशि (@12% प्रति वर्ष रिटर्न)

- यदि आप **25 वर्ष** की आयु में एसआईपी शुरू करते हैं, तो आवश्यक मासिक एसआईपी केवल **15,000 रुपये** होगी।
- आप देरी करते हैं और **30 वर्ष** में शुरू करते हैं, तो आवश्यक मासिक एसआईपी करीब **2 गुना यानी 28,000 रुपये** होगी!
- यदि आप और देरी करते हैं और **40 वर्ष** की आयु में शुरू करते हैं, तो आवश्यक मासिक एसआईपी **6 गुना से अधिक 1,00,000 रुपये** होगी!

स्रोत: फंड्स इंडिया रिसर्च. 12% CAGR के अनुमान पर

Non-Confidential

निवेश सिर्फ महंगाई को ही नहीं हराता, बल्कि...

निवेश ये भी कर सकता है -

- आपको घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा के लिए धन जुटाने या रिटायरमेंट के लिए पैसे जमा करने जैसे वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद ।
- आपात स्थितियों के लिए तैयार करने में आपकी सहायता।
- आपको लिक्विडिटी प्रदान करता है, जैसे म्यूचुअल फंड की ओपन-एंडेड योजनाएं आपकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से भुनाई जा सकती हैं।
- आपको टैक्स बचाने में मदद कर सकता है।

Non-Confidential

रिस्क और रिवॉर्ड का गणित

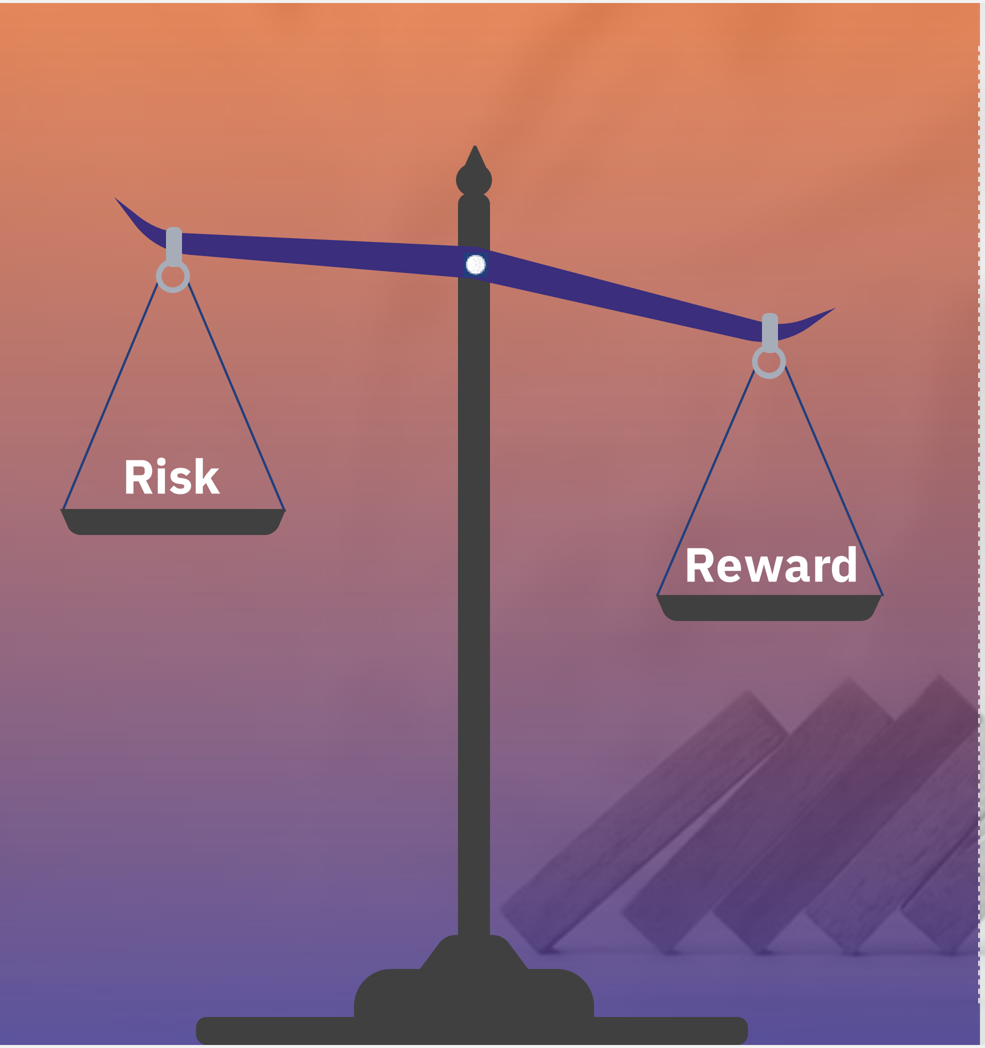

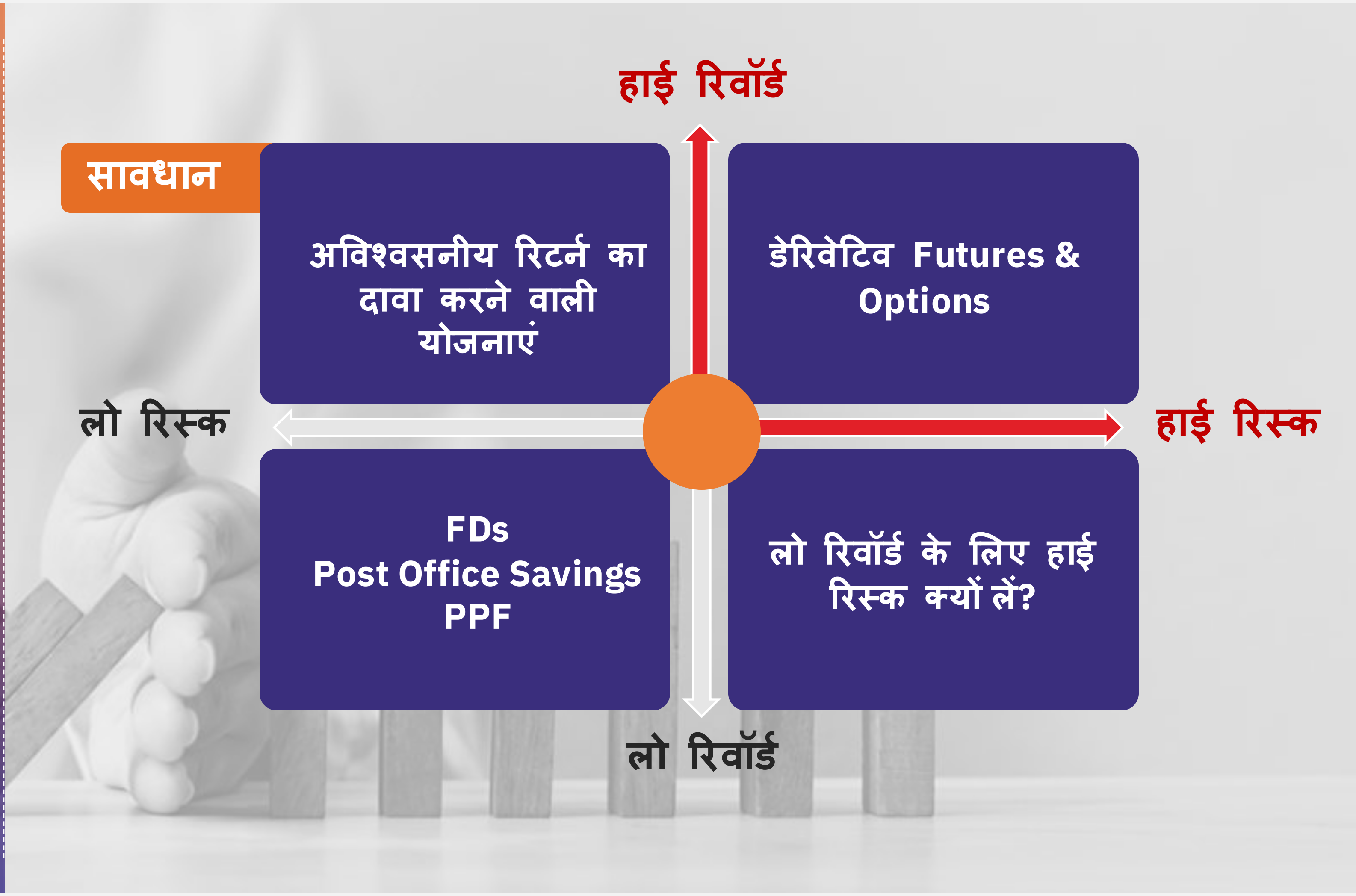

आपके लक्ष्यों के अनुरूप वित्तीय उत्पाद

बचत खाता
फिक्स्ड डिपॉजिट
रेकरिंग डिपॉजिट
डाकघर बचत खाता
मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स

छोटी अवधि के लक्ष्य

शेयर ETF और इंडेक्स फंड
बॉन्ड और डिबेंचर
म्यूचुअल फंड
पब्लिक प्रोविडेंट फंड
सोना, रियल एस्टेट

मध्यम/दीर्घकालिक लक्ष्य

स्वास्थ्य बीमा
जीवन बीमा
अन्य बीमा

बीमा संबंधी जरूरतें

अपनी समझ को परखें

बचत को बढ़ाने की दो तरकीब बताएं?

किसी व्यक्ति के पास कितना आपात कोष होना चाहिए?

एक करोड़ का कॉर्पस बनाने का लक्ष्य है। यदि 5 साल देरी से निवेश शुरू किया तो आपको हर महीने कितनी रकम ज्यादा निवेश करनी पड़ेगी?

अल्प अवधि के लक्ष्यों के लिए आपको किन वित्तीय उत्पादों में निवेश करना चाहिए?

लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए आपको किन वित्तीय उत्पादों में निवेश करना चाहिए?

आपको कम उम्र में ही निवेश क्यों शुरू कर देना चाहिए?

कैपिटल मार्केट में निवेश की बारीकियां

इक्विटी
शेयर, किसी कंपनी में हिस्सेदारी लेना।

फिक्स्ड इनकम/ बॉन्ड
इन्हें डिबेंचर और बॉन्ड भी कहा जाता है, ये कंपनियों या संस्थाओं द्वारा निवेशकों से उधार लिए गए पैसे को दर्शाते हैं।

डेरिवेटिव
शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी जैसी परिसंपत्तियों के मूल्य से जुड़े वित्तीय साधन।

म्यूचुअल फंड्स
एक ऐसा उत्पाद जो कई निवेशकों से धन एकत्रित करता है और उसे शेयर, बॉन्ड, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश करता है।

पिछले 30 वर्षों में विभिन्न परिसंपत्तियों से हासिल रिटर्न

NSE IPFT

पिछला प्रदर्शन भविष्य में बरकरार रह भी सकता है और नहीं भी। | स्रोत: आईसीआरए एमएफआईई, एमसीएक्स, ब्लूमबर्ग, एमओएसपीआई। | कृपया ध्यान दें कि इक्विटी में निवेश में उच्च जोखिमों के अधीन है।

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड क्या हैं?

रिटर्न प्राप्त होता है, जो निवेशकों में बंटता है

ढेर सारे निवेशक अपना पैसा पूल करते हैं

फंड मैनेजर इस पूल को मैनेज करते हैं

प्रतिभूतियों में यह पैसा निवेश होता है

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड में जोखिमों का वर्गीकरण

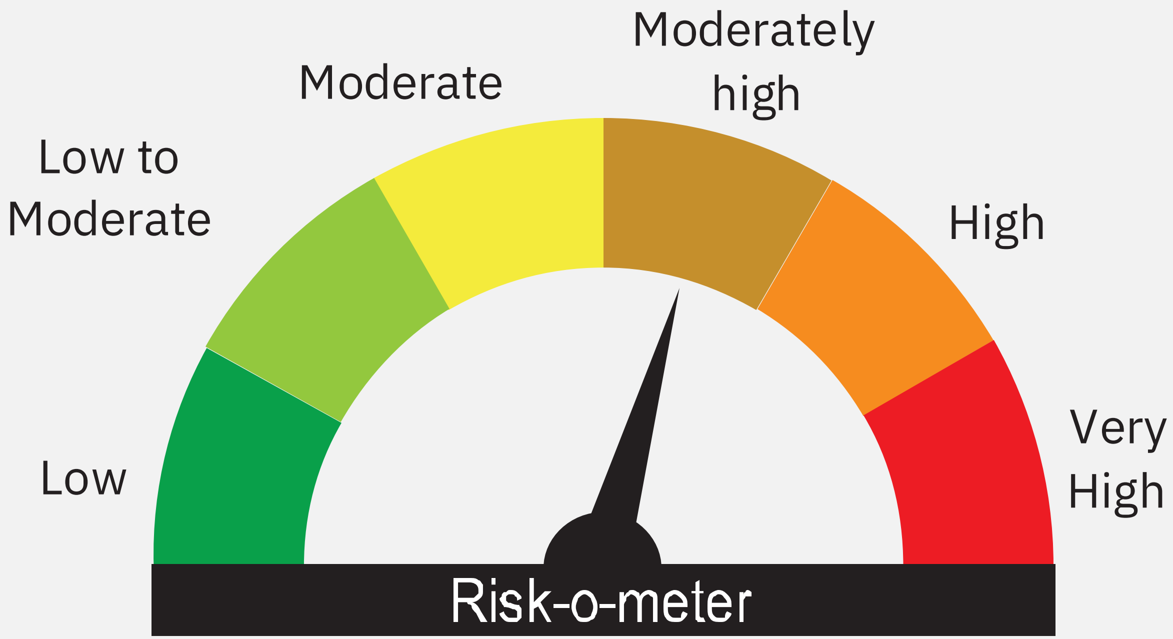

जोखिम का स्तर	निवेशक के प्रकार
कम जोखिम	सतर्क/सुरक्षित निवेशक
कम से मध्यम जोखिम	मध्यम स्तर के सतर्क निवेशक
मध्यम जोखिम	संतुलित निवेशक
मध्यम से उच्च जोखिम	मध्यम आक्रामक निवेशक
उच्च जोखिम	आक्रामक निवेशक
अत्यधिक जोखिम	अत्यधिक आक्रामक निवेशक

घर खरीदना चाहते हैं?

जल्दी शुरू करें, अनुशासित रहें, लंबी अवधि के लिए निवेश करें

जब आप अपने निवेश को समय देते हैं, तब आप कंपाउंडिंग की ताकत का फायदा उठाते हैं

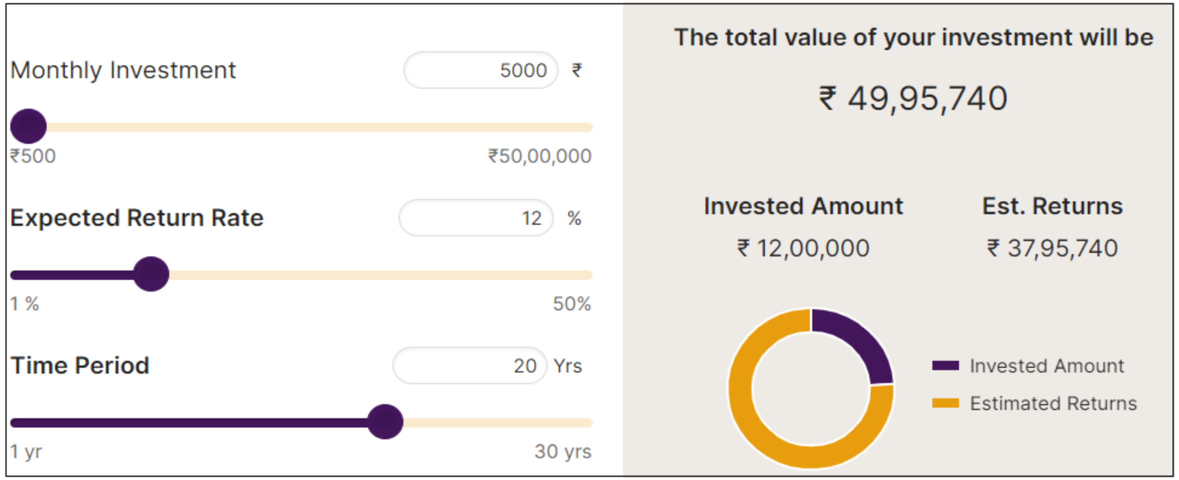

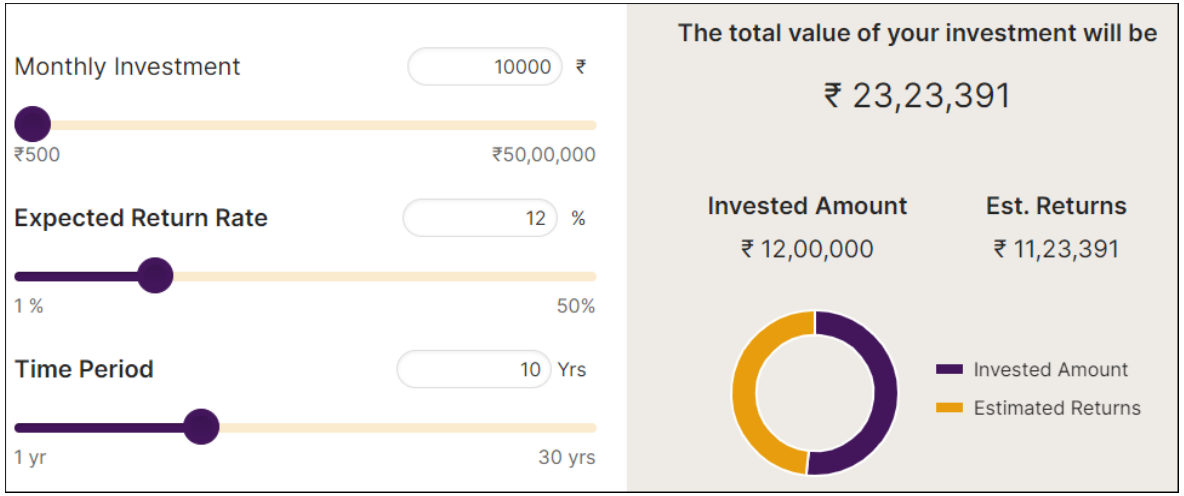

स्तम्भ 6 – लोन और कर्ज का जाल

लोन

- जब आप लोन लेते हैं तब कंपाउंडिंग की ताकत आपके खिलाफ काम करती है|
- ईएमआई को कम करने के लिए लंबी अवधि वाले लोन का कंपाउंडिंग प्रभाव अधिक होगा और लंबी अवधि में आपको ब्याज के रूप में अधिक भुगतान करना होगा।
- देय ब्याज का भुगतान न करने पर वह मूलधन में जुड़ जाता है और फिर आप ब्याज पर ब्याज चुकाते हैं।

कर्ज का जाल

- कर्ज का जाल- यानी वह स्थिति जब कोई पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज लेने के लिए मजबूर होता है।
- एक अच्छा कर्ज वह होता है जो किसी ऐसे एसेट को खरीदने के लिए लिया जाए जो आगे चलकर आमदनी उत्पन्न करने में मदद करे।
- किसी ऐसी एसेट को खरीदने के लिए लिया गया कर्ज जो कोई आमदनी उत्पन्न नहीं करता है, खराब कर्ज के रूप में जाना जाता है।

Types of fraud

फिशिंग लिंक

नेटवर्क मार्केटिंग फ्रॉड

लॉटरी स्कैम

क्रेडिट/डेबिट कार्ड फ्रॉड

विशिंग कॉल्स

मास मार्केटिंग फ्रॉड

एटीएम कार्ड स्किमिंग

फर्जीवाड़े से सावधान रहें

इनसे कैसे बचें?

- विभिन्न प्रकारों की ऑनलाइन धोखाधड़ी से अवगत और सतर्क रहें |
- सुनिश्चित करें कि आपका इंटरनेट कनेक्शन सुरक्षित है और केवल सत्यापित ऐप का ही उपयोग करें |
- यदि आप अपना डेबिट या क्रेडिट कार्ड खो देते हैं, तो अपने बैंक को कॉल कर तुरंत उन्हें ब्लॉक करवाएं |
- अनजान वेबसाइटों से फाइलें डाउनलोड न करें |
- अपना पासवर्ड या बैंक खाता विवरण किसी के साथ साझा न करें |
- केवल रजिस्टर्ड इंटरमीडियरी के माध्यम से निवेश करें |

प्रतिभूति बाजार के बारे में ज्यादा जानने के लिए देखें...

investor.sebi.gov.in/index.html

Saarthi App

[SEBI | Investor Awareness - Login and Registration]

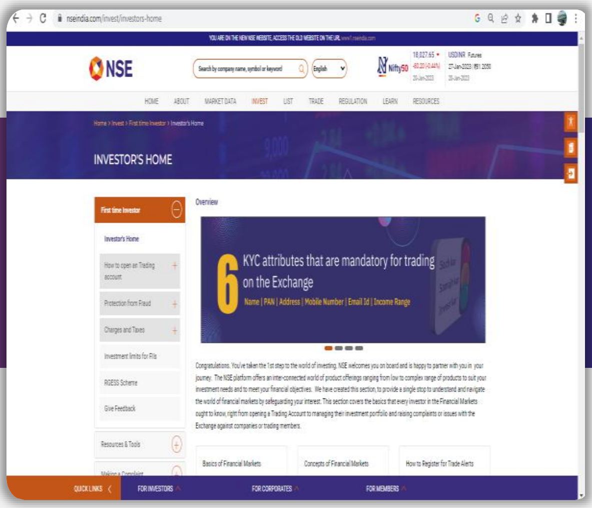

www.nseindia.com

We're also on

NSE India | @nseindia | @NSEIndia | NSE India | NSE India

Follow us on your favourite social media channel to stay connected with valuable content on Financial & Capital Market.

Your interest means a lot!

धन्यवाद !

Soch kar
Samajh kar
Invest kar

NSE IPFT